

Programme : M. A (Konkani)

Course : KKC- 307

Title of the course : भारतीय आनी पाश्चात्य काव्यशास्त्रांतल्यो वेंचीक विचारधारो
Selected Ideologies in Indian & Western Poetics

Number of Credits : 04

Effective From AY: 2018-19

Prerequisites for the Course:	‘काव्यशास्त्र’ हे संकल्पनेचें गिन्यान आसचें.	
Objective	भारतीय आनी पाश्चात्य काव्यशास्त्रांतल्या कांय सिद्धांतांची आनी विचारधारांची वळख जावची.	
		वरां
Content:	1. भारतीय काव्यशास्त्र: कांय वेंचीक विचारवंतांच्या संदर्भांत : अ. भरतमुनीचो रससिद्धांत आ. भामह्याचें अलंकार शास्त्र इ. दण्डीची विचारधारा ई. वामनाचो रिती सिद्धांत उ. आनंदवर्धनाचो ध्वनी सिद्धांत 2. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र : कांय वेंचीक विचारवंतांच्या संदर्भांत : अ. प्लेटोची विचारधारा आ. एरिस्टोटलचें काव्यशास्त्र इ. विल्यमवर्डस्वर्थ आनी काव्य विचार ई. बेनेदेत्ते क्रोचेचे सहज ज्ञान आनी प्रत्यक्ष ज्ञानाचे विशींचे विचार उ. टी. एस. इलियटाचो क्लासिकवाद	24 24
	वट्ट	48
Pedagogy	व्याख्यानां, अभ्यासिका, स्वाध्याय, स्व-अध्ययन, घरपाठ	
References/ readings	संदर्भ साहित्य 1. फडके, श्री. शं. भारतीय साहित्य विचार मडगांव 1997. 2. गांवकार, भालचंद्र. साहित्य- एक भासाभास,	

	फोंडें, गोंय : मित्र प्रकाशन, 1998. 3. देशपांडे, गं. त्र्यं. <i>भारतीय साहित्यशास्त्र</i>, मुंबय : पॉप्युलर प्रकाशन, 1980. 4. अण. तडकोडकार, प्रियर्शिनी, <i>भारतीय साहित्यशास्त्र नवी दिल्ली: साहित्य अकादेमी</i> 2016. 5. नगेंद्र. <i>रससिद्धांत</i>, नवी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाव्ज 1994. 6. बुडकुले, किरण. <i>पश्चिमी समिक्षे कडेन इश्टागत</i>, पणजी: राजहंस वितरण 1998 7. मिश्र, भागीरथ. <i>काव्यशास्त्र</i>, भेलापूर वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1980. 8. जैन, निर्मला. <i>पाश्चात्य साहित्य चिंतन</i>, जगतपुरी- दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 1990. 9. गुप्त, गणपतिचंद्र. <i>भारतीय एव पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त</i>, इलाबाद: लोकभारती प्रकाशन 1997. 10. मिश्र, सभापती. <i>भारतीय काव्यशास्त्र एव पाश्चात्य साहित्य चिन्तन</i>, इलाबाद: जयभारती प्रकाशन, 2007.	
Learning outcomes	भारतीय आनी पाश्चात्य काव्यशास्त्रांतल्या कांय सिद्धांतांची आनी विचारधारांची वळख जाता.	